ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 14-02-2023

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-02-14 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-02-15	2023-02-16	2023-02-17	2023-02-18	2023-02-19
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	28.0	28.0	28.0	29.0	29.0
न्यूनतम तापमान(से.)	11.0	12.0	12.0	13.0	14.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	14	20	21	18	16
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	6	8	10	7	6
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6.0	5.0	7.0	8.0	12.0
पवन दिशा (डिग्री)	258	255	192	225	217
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	1	1	2

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में अधिकतम तापमान 28.0 से 29.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 11.0 से 14.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना।

सामान्य सलाहकार:

आने वाले दिनों में मौसम शुष्क रहने की सम्भावना है, किसान भाई रबी फसलों की क्रांतिक अवस्थाओं पर सिंचाई अवश्य करें।

लघु संदेश सलाहकार:

किसान भाई सरसों की फसल में दाना पकते समय बुवाई के 90 दिन बाद सिंचाई करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	किसान भाई समय पर बोई गई गेहूं की फसल में बुवाई के 85 दिन बाद दाना बनने की अवस्था पर सिंचाई करें।
जौ	जौ की खडी फसल में दीमक नियंत्रण हेतु क्लोरोपायरीफॉस 20 ई.सी. 4 लीटर प्रति हेक्टयर सिंचाई के साथ दें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
भिण्डी	ग्रीष्मकालीन भिण्डी की फसल के लिए परभनी क्रान्ति, वर्षा उपहार, आजाद क्रान्ति, अर्का अनामिका व अर्का अभय की बुवाई करें। बुवाई हेतु 20-22 किलो ग्राम बीज प्रति हैक्टेयर प्रयोग में लें। 20 किलो नत्रजन, 50 किलो फास्फोरस व 60 किलो पोटास प्रति हैक्टेयर की दर से अन्तिम जुताई के समय खेत में डालें।
मिर्च	मिर्च की फसल के लिए हरीपुर-रायपुर, आर.सी-1, मथानिया लोकल, पूसा ज्वाला व पंत सी-1 उन्नत किस्मों की पोधशाला में बुवाई करें। एक हैक्टेयर क्षेत्र के लिए पौध तैयार करने हेतु एक से डेढ किलो बीज पर्याप्त रहता है। बुवाई से पूर्व 2 ग्राम केप्टान से प्रति किलो बीज को उपचारित करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
बकरा	इस समय भेड व बकरी में माता एंव कन्टेजियस एक्थाईमा (ORF) की सम्भावना भी अधिक रहती है। यदि भेड व बकरी में माता रोग से बचाने के टीके नहीं लगवाएं है तो टीकाकरण करवा लें।